Birth Centenary of Sri Sathya Sai Baba

Sri Sathya Sai Baba was born on November 23, 1926, in Puttaparthi, Andhra Pradesh. At the age of 14, he began his mission to promote human values of truth, righteous conduct, peace, love, and non-violence, while stressing the unity of all religions. His life of service and compassion inspired the establishment of numerous institutions devoted to education, healthcare, and rural development, benefiting millions, around the world.

The Sri Sathya Sai Central Trust (SSSCT) continues his vision by offering free healthcare, education, and social welfare services without discrimination. Recognised by the United Nations Economic and Social Council (ECOSOC) with a Special Consultative Status, the Trust operates two super-speciality hospitals, two general hospitals, and two mobile hospitals that treat around 3,000 outpatients daily, completely free of charge. These hospitals are highlighted by NITI Aayog as exemplary not-for-profit, faith-based healthcare models devoted to "service to society as service to God."

In education, the Sri Sathya Sai Institute of Higher Learning provides free undergraduate, postgraduate, and doctoral programmes, combining academic excellence with character building. More than 5,000 students study in all these institutions and receive quality education free of cost. About 102 Sri Sathya Sai Schools, with about 60,000 children under the aegis of Sri Sathya Sai Seva Organisation (SSSSO), are being provided with financial assistance to improve their infrastructure, like buildings, furniture, and computer facilities, to enable quality education to reach the grassroots.

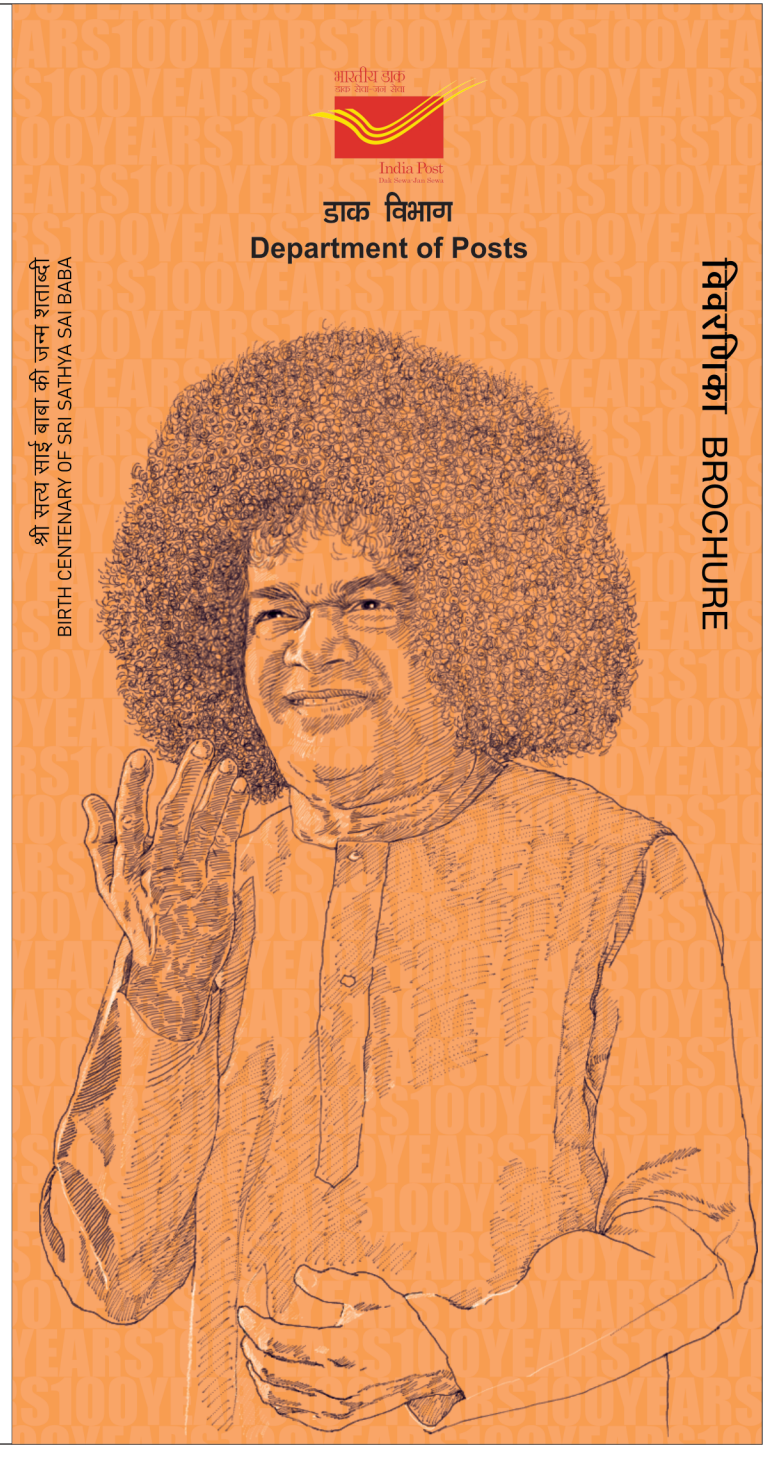
Sri Sathya Sai Baba's vision of rural upliftment led to major drinking water projects supplying safe water to over 1,600 villages and three million people in Andhra Pradesh, Telangana, and Tamil Nadu. The Trust's Sai Mitra Solar Energy Project generates 6.1 megawatts of clean energy. It also provides disaster relief, builds houses for affected families, and feeds nearly one lakh people daily.

Besides, to instil human values in youth, the "Bal Vikas" programme educates over 4,00,000 children through 20,000 voluntary teachers.

The Department of Posts is releasing a commemorative postage stamp on the Birth Centenary of Sri Sathya Sai Baba.

Credits:

Stamp/FDC/Brochure/ Cancellation Cachet	:	Sh. Suresh
Text	:	Based on the content provided by the Proponent



श्री सत्य साई बाबा की जन्म शताब्दी

श्री सत्य साई बाबा का जन्म 23 नवंबर 1926 को आंध्र प्रदेश के पुट्टपर्ती नामक छोटे से गांव में हुआ था। 14 वर्ष की आयु में उन्होंने अपने दिव्य मिशन की शुरुआत की, जिसका उद्देश्य थाकृसत्य, धर्म, शांति, प्रेम और अहिंसा जैसे मानव मूल्यों का प्रचार–प्रसार करना तथा सभी धर्मों की एकता पर बल देना। उनका जीवन सेवा, करुणा और आध्यात्मिकता का अद्‌भुत उदाहरण रहा, जिसने शिक्षा, स्वास्थ्य और ग्रामीण विकास के अनेक संस्थानों की स्थापना को प्रेरित किया, जिससे विश्वभर में करोड़ों लोग लाभान्वित हुए हैं।

श्री सत्य साई सेंट्रल ट्रस्ट (एसएसएससीटी) उनके इस महान मिशन को आगे बढ़ा रहा है। यह ट्रस्ट बिना किसी जाति, धर्म या क्षेत्र के भेदभाव के निःशुल्क स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक सेवाएं प्रदान करता है। संयुक्त राष्ट्र आर्थिक एवं सामाजिक परिषद (ईसीओएसओसी) ने इसके असाधारण मानवीय कार्यों को मान्यता देते हुए इसे विशेष परामर्शदात्री दर्जा प्रदान किया है। ट्रस्ट द्वारा संचालित दो सुपर–स्पेशलिटी अस्पताल, दो सामान्य अस्पताल और दो मोबाइल अस्पताल प्रतिदिन लगभग 3,000 रोगियों को पूरी तरह निःशुल्क चिकित्सा प्रदान करते हैं। नीति आयोग ने इन अस्पतालों को सेवा–आधारित, गैर–लाभकारी स्वास्थ्य मॉडल के रूप में सराहा है।

श्री सत्य साई उच्च शिक्षा संस्थान में स्नातक, स्नातकोत्तर और शोध स्तर की शिक्षा पूर्णतः निःशुल्क दी जाती है, जहां शिक्षा के साथ–साथ चरित्र निर्माण पर भी बल दिया जाता है। इन संस्थानों में 5,000 से अधिक विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। देशभर में 102 सत्य साई विद्यालय लगभग 60,000 विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। इंफ्रास्ट्रक्चर एवं अध्ययन सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए इन्हें सहायता प्रदान की जाती है ताकि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की आमजन तक पहुंच सुनिश्चित की जा सके।

ग्रामीण उत्थान के लिए श्री सत्य साई बाबा की प्रेरणा से विशाल पेयजल परियोजनाएं आरंभ की गईं, जिनसे आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और तमिलनाडु के 1,600 से अधिक गांवों में तीन मिलियन लोगों को सुरक्षित पेयजल प्राप्त हो रहा है। ट्रस्ट का साई मित्र सोलर एनर्जी प्रोजेक्ट 6.1 मेगावाट स्वच्छ ऊर्जा उत्पन्न करता है। इसके अतिरिक्त, ट्रस्ट आपदा राहत कार्यों में सक्रिय भाग लेता है, तथा बाढ़ प्रभावित परिवारों के लिए घरों का निर्माण करता है। ट्रस्ट द्वारा प्रतिदिन लगभग एक लाख लोगों को भोजन प्रदान किया जाता है।

साथ ही, युवाओं में मानव मूल्य विकसित करने हेतु "बाल विकास" कार्यक्रम चलाया जा रहा है, जिसमें 20,000 स्वैच्छिक शिक्षकों के माध्यम से 4,00,000 से अधिक बच्चों को मूल्य–आधारित शिक्षा दी जाती है।

डाक विभाग, श्री सत्य साई बाबा की जन्म शताब्दी के उपलक्ष्य में स्मारक डाक–टिकट जारी कर रहा है।

आभार :

डाक टिकट/प्रथम दिवस आवरण/
विवरणिका/विरूपण कैशे : श्री सुरेश
पाठ : प्रस्तावक से प्राप्त
सामग्री के आधार पर

तकनीकी आंकड़े
TECHNICAL DATA

मूल्य	:	500 पैसे (4)
Denomination	:	500p (4)
मुद्रित मिनियचर शीटें	:	241200
Miniature Sheets Printed	:	241200
मुदिण प्रक्रिया	:	वेट ऑफसेट
Printing Process	:	Wet Offset
मुद्रक	:	प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद
Printer	:	Security Printing Press, Hyderabad

The philatelic items are available for sale at Philately Bureaus across India and online at
http://www.epostoffice.gov.in/PHILATELY_3D.html

© डाक विभाग, भारत सरकार। डाक टिकट, प्रथम दिवस आवरण तथा सूचना विवरणिका के संबंध में सर्वाधिकार विभाग के पास है।

© Department of Posts, Government of India. All rights with respect to the Stamps, Miniature Sheets, First Day Cover and Information Brochure rest with the Department.

मूल्य ₹ 15.00